SUN 01 001-364

23/1/21 C5 Unit 3 :→ Advancement of the Subject / Dicipline

Q). शैक्षिक अनुसंधान से आप क्या समझते है? इसकी विशेषताए, आवश्यकताए और महत्व का विस्तार से वर्णन करे।

Ans :→ **Note** → प्रत्येक मनुष्य के जीवन मे कई प्रकार के समस्याओ का सामना करना पड़ता है और उन समस्याओ का समाधान करने के लिए या उन समस्याओ के बारे मे ज्ञान प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार की विधियो का प्रयोग करते है। इसी तरह जब समस्याओ का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिक विधी का प्रयोग करते है, तो उसे Research कहा जाता है। इसिलीए Research तथा Scientific method शब्द सदैव पूरक के रूप मे ही प्रयोग किये जाते है।

MON 02 002-363

→ Research is the formal Systemetic and intensive process of Carrying on the Scientific Method of Analysis,

इससे स्पष्ट हो जाता है कि Research एक योजना है, जिसको तरीके / क्रमबद्ध (Systemetic) से चलाया जाता इसमे सारा काम Scientific Method के द्वारा एक Systematic तरीके से किया जाता है। और प्रत्येक प्रकार के तथ्य को बड़े ध्यान से अध्ययन किया जाता है। यह केवल अकेले तथ्य से संतुष्ट नही होती, बल्कि यह सभी खोजो का आपस मे मिलान करवाने मे रूचीकर होती है।

Research का अंतिम उद्देश्य विभिन्न प्रकार के समस्याओ का वैज्ञानिक विधि

February 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

2022/6/25 21:44

03 TUE 003-362

से समाधान करके उनसे प्राप्त होने वाले परिणामों की समानीकृत (Generalyse) करते है।

→ अनुसंधान (Research) की विशेषताएँ :→

एक Research की अनेक विशेषताएँ होती है। जिसका वर्णन इस प्रकार से है।

(i) Research के द्वारा किसी भी समस्याओं का समाधान कर सकते है।

(ii) Research नियमों तथा सिद्धांतों आदि के विकास पर जोड़ / बल (force) देती है। ताकि जिसके द्वारा हम भविष्य में होने वाली घटनाओं के बारे में जान सके। Research का अर्थ केवल आँकड़े (Data) एकट्ठा करना नहीं है।

28/1/21

04 WED 004-361

(iii) Research observavle behaviour (प्रशिक्षण व्यवहार) पे आधारित होती है। कई प्रकार के विषय ऐसे होते हैं, परंतु उन पर Research नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनका परिक्षण नहीं किया जा सकता।

(iv) यदि हम कोई Research करना चाहते हैं तो उसके लिए बिलकुल ठीक आँकड़ों की आवश्यकता होती है। इसलिए Research करने वाले व्यक्ति को ठीक प्रकार के उपकरण / वस्तु (tools) तथा योजना (Divices) का प्रयोग करना चाहिए ताकि सही आँकड़ों के प्रकाश में सही निर्णय पर पहुँचा जा सके।

(v) Research से हमारा मतलब प्राथमिक साधनों के सहायता से नए आँकड़े को इकट्ठा करना होता है।

January 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

2022/6/25 21:45

और उसका प्रयोग एक नए उद्देश्य के लिए करना होता है यदि हम किसी इतिहासीक पुरुष के बारे में आंकड़े एकट्ठे करते हैं, तो उनके आंकड़े पहले से ही मौजूद होते हैं।

(vi) हालांकि यह कभी कभार ही संभव होता है कि Research को किसी Systemetic तरीके से न किया जाए। आम तौर पर Research सदैव ही ध्यानपूर्वक Organized की जाती है। और सभी तथ्यों (factor) का इसमें परीक्षण किया जाता है।

(vii). Research करना प्रत्येक व्यक्ति के बस की बात नहीं है इसके लिए प्रशिक्षण (Trend observer) व्यक्ति की जरूरत होती है, जिसे यह पता हो कि उस क्षेत्र में पहले कहाँ तक प्रगति (Progress) हो चुकी है उसे सभी तकनीकी तथ्यों (factors) तथा उसके सभी पक्षों की पूरी-पूरी जानकारी होनी चाहिए।

31/1/21 (viii). Research, objective और तत्व (logical) होनी चाहिए। इसमें व्यक्तिगत भावनाओं के लिए कोई जगह नहीं चाहिए। इसमें किसी विशेष बात को परमाणित (Proof) करने के लिए भेद भाव भी नहीं होनी चाहिए। Research करने वाले व्यक्ति का उद्देश्य केवल विभिन्न प्रकार के test करना है उसका परिणाम चाहे जो भी निकले।

(ix) Research का उद्देश्य सदैव अंसुलझे प्रश्नों को उत्तर देना होना चाहिए। कोई Research दोबारा भी हो सकती है परंतु उसका उद्देश्य पिछले Research में रह गई कमीयों को दूर करना है / हो सकता है।

January 2017

07 SAT 007-358

(x) कोई भी Research जल्दबाजी में नहीं किये जाना चाहिए इसे करने के लिए मन तथा मस्तिष्क का शांत रहना अनिवार्य / जरूरी है। Research की नाकामी को प्रोत्साहन के रूप में स्वीकार करना चाहिए और फिर दोगुनी ऊर्जा से उस समस्या के समाधान के लिए जुड़ जाना चाहिए।

(xi) Research का पूरी तरह Record रखना जरूरी होता है जैसे कि उसमें कौन-कौन से terms (पद) का प्रयोग किया गया। उसकी सीमाएँ क्या है उसके लिए कौन-सी विधी अपनाई गई, उसके क्या परिणाम निकले ताकि कभी भी कोई भी व्यक्ति उसके बारे में सूचना प्राप्त करना चाहे तो आसानी से कर सकता है।

08 SUN 008-357

इस प्रकार उपर्युक्त व्याख्या से स्पष्ट होता है कि Research एक पूरी तरह से योजनाबद्ध प्रक्रिया (Systematic Process) हुआ करती है। जिसमें विभिन्न चरण होते है। यह पूरी तरह से तथ्यों पर आधारित होती है और इन्हीं चरणों या तथ्यों के आधार पर ही सही निष्कर्ष प्राप्त किये जा सकते है।

* Need and importance of Research
Research की क्या महत्वता है।

→ वर्तमान समय से प्रत्येक देश में यह कोशिश की जा रही है कि शिक्षा को और अधिक प्रभावशाली

January 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6 7
8 9 10 11 12 13 14
15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28
29 30 31

2022/6/25 21:45

तथा Advance/Unique बनाया जाए। यदि हमें शिक्षा का प्रसार करना है तथा इसे आधुनिक रूप प्रदान करवाना है तो उसके लिए शिक्षा के क्षेत्र में Research का प्रयोग आवश्यक हो जाता है क्योंकि यही एक ऐसी विधी है जिसके द्वारा हमें नए ज्ञान की प्राप्ति हो सकती है। निम्नलिखित तथ्य शिक्षा के क्षेत्र में Research की आवश्यकता तथा इसके महत्व को स्पष्ट करते हैं।

3/7/21

(1) To the formation of new theories:- नए सिद्धांतों का निर्माण

→ वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर विस्तार हो रहा है अब शिक्षा पहले की तरह दो चार विषयों पर केंद्रित नहीं है बल्कि इसमें निरंतर नए-नए विषय जुड़ते जा रहे हैं। Ex-, Philosophy, Pschycology, Guidence etc प्रत्येक क्षेत्र के लिए नए-नए सिद्धांतों या नियमों का निर्माण Research के बिना संभव नहीं इसलिए इन सभी विषयों को स्थापित करने के लिए Research का महत्वपूर्ण योगदान है।

(2) Education is Science as well as an Art, (शिक्षा विज्ञान एवं कला दोनों के रूप में स्वीकार किया जाता है) :→

11 WED 011-354

→ शिक्षा को विज्ञान और कला दोनों रूपों में ही स्वीकार किया जाता है विज्ञान की तरह यह किसी विशेष विषय उसकी विधी तथा विकास आदि का पूरा ज्ञान रखती है तथा इसमें प्रतिदिन विकास भी होता रहता है ताकि मनुष्य की आवश्यकताओं की संतुष्ट किया जा सके, इसलिए इसमें वैज्ञानिक विधियों के द्वारा ज्ञान को बढ़ाना आवश्यक हो जाता है। एक कला के तौर पर शिक्षा प्रभावशाली ढंग से ज्ञान प्रदान करने में सहायता करती है।

(3) To make errorless Results :→

12 THU 012-353

त्रुटि रहित परिणाम बताना

→ जब 1870 ई० में शिक्षा लोकतंत्र का नारा दिया गया था, तो उसके बाद उसके क्षेत्र का निरंतर विकास होता गया। क्षेत्र में विस्तार होने से अनेक समस्याएँ उत्पन्न हुई, परंतु यदि हम इन समस्याओं के समाधान के लिए हम परंपराओं पर निर्भर रहे तो परिणाम गलत ही प्राप्त होंगे तथा अनुभव द्वारा परिणाम प्राप्त करने में काफी समय लग जाता है इसलिए Research सही परिणाम प्रदान कराने में सहायता करती है ताकि आने वाली पिढ़ियों को असत्य तथ्यों पर

January 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

निर्भर न रहना पड़े।

(4) To Fulfiled the ever increasing needs of Education
(शिक्षा की बढ़ती आवश्यकताओ पूरा करना) :-

4/2/21 → शिक्षा अब किन्ही खास विषयों तक सिमीत नही रही है अब वह प्रक्रिया का रूप धारण कर चुकी है जिसका संबंध मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष से है। इसकी सिमाएँ असिमीत हो चुकी है इसलिए अब इसकी सीमाओं को formal से बदलकर informal (अनौपचारिक) कर दिया गया है। इसको innovative (नया पन) बना दिया गया। ताकि यह बदले हुए परिवेश की आवश्यकताओं को पूरा कर सके और ऐसा Research की सहायता के बिना नही किया जा सकता।

(5) To assist Scientific Case in Education
(शिक्षा मे वैज्ञानिक परिवर्तनों को ग्रहण करना)

→ पिछले दो दशकों (centuries) मे वैज्ञानिक और तकनीकी उन्नति के कारण अनेक प्रकार के परिवर्तन आए है इसलिए शिक्षा का योगदान और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है ताकि हम इन परिवर्तनों को आसानी से

February						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

2022/6/25 21:45

January 2017

16 MON 016-349

ग्रहण कर सके। वर्तमान, के पाठ्यक्रम / पाठ्यपुस्तकों पढ़ाने के तरीकों तथा मूल्यांकन आदि में सुधार करके कर सकते हैं, और यह सुधार केवल Research के द्वारा ही लाये जा सकते हैं।

(6) To understand the dimensions of personality.

(व्यक्तित्व के पक्षों को समझना) :-

→ हम यह सदैव कहते हैं, कि शिक्षा का उद्देश्य व्यवहार में सुधार लाना है और व्यक्तित्व को निखारना है परंतु व्यक्तित्व को निखारने से,

17 TUE 017-348

पहले, व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों के बारे में जानकारी प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक होता है तथा व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों की जानकारी हमें विभिन्न प्रकार की Research ही प्रदान कर सकती है।

6/2/21

(7) To Solve Social in Conformity :-

(सामाजिक मतैक्य को हल करना) :-

→ जैसा कि हम जानते हैं कि शिक्षा के क्षेत्र में दिन प्रतिदिन नये-नए सिद्धांतों का निर्माण होता रहा है, परंतु सभी लोग इन सिद्धांतों के बारे में समान विचार नहीं रखते कुछ लोग उसे स्वीकार करते हैं, तो कुछ

January						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

अस्वीकार इस प्रकार Research की सहायता से यह जानकारी प्राप्त की जा सकती है, कि जिस सिद्धांत का निर्माण किया गया है वह उचित है या नहीं इस प्रकार विभिन्न सामाजिक विभेदों को हल किया जा सकता है।

(3) To active ever changing aims of Education (शिक्षा के बदले परिवर्तनों को प्राप्त करना)

जैसा की हम जानते है कि शिक्षा के उद्देश्य लगातार परिवर्तित होते है इसमें समय, स्थान तथा समाज के अनुसार परिवर्तन आते रहता है, तो उन परिवर्तनों को पूरा करने के लिए नए tools तथा तकनीक को विकसित करने की आवश्यकता महसूस होती है और इन tools तथा उपकरण केवल Research के द्वारा ही विकसीत किया जा सकता है।

(4) To improve Our Mechanical habits (काम की आदतों सुधार करना):→

→ जब भी हम कोई कार्य लंबे समय तक करते रहते है तो हमें उस काम को करने की आदत पड़ जाती है इससे धीरे धीरे हमें उस काम से बोरियत होने लगते है जिसका प्रभाव हमारे क्षमता पर भी पड़ने

February 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

2022/6/25 21:46

January 2017

20 FRI 020-345

भुगता है इसलिए इस क्षेत्र में लगातार Research करने की आवश्यकता होती है ताकि हमारी पुरानी चली आ रही कार्य शैली को सुधारा जा सके।

8/2/21

Q, Explain the method of data collection and give details of observation method?

(आग्रह संग्रह की विधियों का उल्लेख करें और observation method का Detail दें।)

Hints :→

Ans :- आँकड़ा संग्रह :→ विज्ञान में / Research में किसी भी समस्या का एक उत्तम एवं वैज्ञानिक उत्तर ढूंढने के लिए यह आवश्यक है कि Researcher के पास शोध समस्या के बारे में आँकड़ा संग्रहण (Data collection) के लिए उपर्युक्त विधी हो, यदि विधी न होगी तो Researcher समस्या के बारे में सही-सही आँकड़ा संग्रह नहीं कर पायेगा और उस समस्या का सही उत्तर भी नहीं ढूंढ पायेगा।

21 SAT 021-344

मनोविज्ञान, शिक्षा तथा समाज शास्त्र, में शोध, समस्याओं का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करने के लिये तथा उससे संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य एवं

22 SUN

January 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

तथ्य एवं आँकड़ा संग्रह करने के लिए कुछ खास - खास विधियों का प्रयोग किया गया है।

8/2/21 Q. Explain the method of data Collection and Give details of observation method?

(i) Interview method
(ii) Question air Method
(iii) Observation method
(iv) Case Study method
(v) Rating Scale.

11/2/21

→ **Observation method** :→

निरीक्षण शब्द का प्रयोग हम विज्ञान विषयों में इंद्रियों के द्वारा वस्तुओं की प्रकृति अथवा वातावरण सम्बंधि जानकारी और ज्ञान प्राप्त करने के लिए करते है। मनोविज्ञान के क्षेत्र मे इसका प्रयोग व्यक्तियों के बाह्य (External) व्यवहार का निरक्षण कर उनकी मानसिक क्रियाओं और व्यक्तित्व के संबंध मे आंतरीक विशेषताओं का अनुमान लगाने के लिये किया जाता है।

निरिक्षण का अर्थ होता है ध्यानपूर्वक देखना। हम किसी व्यक्ति के व्यवहार आचरण क्रियाओं आदि को ध्यानपूर्वक देखकर उसकी मानसिक दशा का

February 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28

2022/6/25 21:46

January 2017

25 WED 025-340

अनुमान लगा सकते हैं।
Ex-> यदि कोई व्यक्ति जोड़-जोड़ से बोल रहा है और उसकी आँखे लाल है, तो हम जान सकते है कि वह क्रोध में है।

सामाजिक अध्ययन में भी अवलोकन विधी का प्रयोग बढा है, क्योंकि यह किसी भी शोध का आधार ही नहीं है। बल्कि हमारे दैनिक जीवन में चारों ओर की घटनाओं को देखने और समझने में भी observation की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शोध की सबसे प्राथमिक प्रविधी अवलोकन ही है जिसके द्वारा महत्वपूर्ण घटनाओं को

26 THU 026-339

ज्ञात किया जा सकता है, क्योंकि किसी भी सामाजिक घटना का अध्ययन observation के बिना नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत तथा सामाजिक अध्ययन तथा सामाजिक संबंधों, खेल कूद की क्रियाओं तथा व्यवहार के अनेक अध्ययन में इस विधी का प्रयोग अधिक से अधिक किया जाने लगा है।

→ Observation की विशेषताएँ :→

हम सभी अपने आस-पास घटित होने वाली घटनाओं को देखते है। यदि गाड़ी चला रहे है तो ध्यान

13/2/21

रखते है कि गाडी किसी से टकरा न जाये। सड़क पार करते समय लाल बत्ती, हरी बत्ती, पिली बत्ती देखते है। ऐसे अनेक उदाहरण है जिनसे प्रकट होता है कि हमारी आँखे हर समय observation करने मे व्यस्त रहती है, लेकिन Researcher की भाषा मे यह अवलोकन नही है, क्योंकि समाज को केवल देखने के द्वारा हम उसके प्राप्त परिणामों को प्राप्त नही कर सकते है। अतः देखना हमारे जीवन मे बहुत सारे अनुभवो का आधार है। To be countinued-----

observation के प्रकार →

(i) formal observation. X.

(ii) informal observation.

(iii) participate observation.

(iv) Non - participate observation.

13/2/21

observation के लिए निम्नलिखित विशेषताओं का होना आवश्यक है –

(i) अवलोकन प्राथमिक सामाग्री को प्राप्त करने मे सहायक है। observation की मुख्य विशेषताएं घटना स्थल पर जाकर

February 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28

2022/6/25 21:46

January 2017

30 MON 030-335 (अध्ययन कर्ता द्वारा वस्तु स्थिति को देखकर घटना के संबंध में प्राथमिक सामग्री का संकलन करना है।

(ii) observation में घटनाओं का गहन अध्ययन होता है। इसके अंतर्गत अध्ययन कर्ता घटनाओं को स्वयं घटित होते हुए देखता है तथा घटना का गहण अध्ययन करता है इस गहण अध्ययन से शोध के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफलता मिलती है।

(iii) घटनाओं के कारण और परिणामों के संबंधों का पता लगता है—

31 TUE 031-334 observation का शाब्दिक अर्थ देखना है या निरीक्षण करना होता है घटनाओं के गहण अध्ययन से घटना के कारण और परिणाम के बीच संबंध का ज्ञात करना सरल हो जाता है। निरीक्षणकर्ता (observation) स्वयं घटना को देखकर आवश्यक कारणों तथा परिणाम के मध्य सहसंबंध (Corelation) ज्ञात करता है।

(iv) निरीक्षण सामाजिक शोधकर्ता की एक प्रयुक्त विधि है—
निरीक्षण के द्वारा अध्ययन न केवल घटनाओं को स्वयं देखकर करता है बल्कि घटना के संबंध में प्राथमिक

January 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6 7
8 9 10 11 12 13 14
15 16 17 18 19 20 21
22 23 24 25 26 27 28
29 30 31

2022/6/25 21:46

तथ्य (Base) संकुलित करता है बल्कि उत्तरदाताओं से मिलकर विभिन्न घटनाओं के संबंध में उनकी प्रतिक्रियाओं को भी समझने की कोशिश / प्रयत्न करता है।

(V) सामूहिक व्यवहार का अध्ययन :→ सामूहिक व्यवहार अचानक उत्पन्न होती है। इसमें पुनरावृत्ति की संभावना नही रहती है, व्यवहार की विशेषताओं को केवल स्वंय देखकर ही ज्ञात कर सकता है।

20/2/20

⇒ Limitation of observation :→
अवलोकन की सिमाए

(i) Trend observer :→ observation के लिये प्रशिक्षीत निरक्षरों की जरुरत होती है इसके अभाव मे निरीक्षण सही ढ.ग का नही हो पाता।

(ii) आत्मनीष्ठा संबंधी दोष (Disadvantage Due to Subjectivity) :→

→ यह दोष Subjectivity को लेकर होता है जब हम निरीक्षण के द्वारा दुसरे के व्यवहार को प्रकट करने की कोशिश करते है तो उनमें हमारी स्वंय की भावना, अपने विचार और दृष्टिकोण का अंश दिखाई / कमी दिखाई देती है।

(iii) पक्षपात दृष्टि (Revengeful Aptitude) :→

हमारी पक्षपात दृष्टि केवल आत्मनिष्ठा ही नही हमारी पक्षपात दृष्टि भी हमारे निरीक्षण के परिणामों को अपने विशेष

February 2017

08 WED 039-326

रंग में रंगने का प्रयत्न करती है, हमें अपने प्रियजनों में कोई भी दोष नजर नहीं आता है जबकि जिनसे हमारी कुछ खटपट हो जाती है उनमें हमें उनमें सदैव कुछ न कुछ दोष निकालना चाहते है अथवा उनके बारे में बहुत संदेह हमारे अंदर मौजूद / विद्यमान होती है।

(iv) Lack of Reliability and valadity :→ विश्वसनीयता एवं वैधता / यथार्थता का अभाव :→

इस विधि द्वारा किसी व्यक्ति के External behaviour का निरीक्षण कर उसकी मानसिक प्रक्रियाओं और व्यक्तित्व के बारे में कुछ जानने का प्रयास किया जाता है परंतु इस

09 THU 040-325

प्रयास में कुछ विशेष बल दिखाई नहीं देती है, निरीक्षण का ढंग कितना ही अच्छा क्यों न हो दूसरे व्यक्ति के मन और मस्तिष्क में क्या हो रहा है हम नहीं जान सकते।

for the Ex→, एक बुरा / खराब व्यक्ति अपने भावों को छुपाकर अपनी ऊपरी व्यवहार से अपने आप को अच्छा साबित / सिद्ध कर सकता है जबकि एक अच्छा आदमी अपने informal एवं असपष्टता व्यवहार के कारण मुर्ख ठहराया जा सकता है।

24/2/21 ⇒ Types of observation :-

(i) formal observation
(ii) Informal observation
(iii) participate observation.

February						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

2022/6/25 21:46

(iv) Non-participat observation,

(i) formal observation:→ ये निरीक्षण पूरी तरह से formal रूप से संपन्न हो सकता। observer को जिनकी व्यवहार का निरीक्षण करना है उन्हें पहले ही सूचना दे दी जाती है। निरीक्षण कार्य कब और कहाँ होना है तथा किन-किन बातों का किया जाना है। यह बता दिया जाता है कि इस दिन, इस समय तथा किन बातों का निरीक्षण किया जा रहा है।

24/2/21 (ii) Informal observation:→

यह इस observation औपचारिक नहीं होता यह शिक्षक के लिये अधिक

उपयोगी है उसे कक्षा में और कक्षा से बाहर अपने छात्रों के व्यवहार का निरीक्षण करने के अनेक अवसर प्राप्त होते हैं। उसे पता नहीं होता निरीक्षण कब करना है, किस रूप में करना है इसका कोई formal रूप से तरीका या time-table तय नहीं किया जाता। जहाँ जिस प्रकार का व्यवहार घटित हो रहा है उसी के रूप में निरीक्षण होता रहता है। कोई बालक खेल के मैदान में किस-किस प्रकार का व्यवहार कर रहा था, स्टेशन पर

उसका कैसा व्यवहार था इस प्रकार के स्थितियों में सम्पन्न व्यवहार informal कहलाता है।

March 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:46

February 2017

13 MON 044-321

(iii) Participate observation :→

इस प्रकार के निरीक्षण में observer व्यक्तियों के समूह का एक अंग बनकर अनेक व्यवहार व व्यक्तित्व के ढंग की जानकारी एकत्रित करने की प्रयत्न करता है। उदाहरण के लिये वह बालक के खेल में शामिल होकर उनके उस समय के व्यवहार का जांच का कार्य कर सकता है इसमें दोष यह है कि बालक अध्यापक जांचकर्ता की उपस्थिति में पूरी तरह सहज और स्वभाविक व्यवहार नहीं करते हैं।

25/2/21

(iv) Non-Participate observation :→
असहभागी निरीक्षण

14 TUE 045-320

इस प्रकार के निरीक्षण में निरीक्षणकर्ता व्यक्ति की क्रियाओं एवं व्यवहार के क्षेत्र से अपने आप को छुपाकर observe करता है उन्हें पता नहीं चलने दिया जाता है कि उनके व्यवहार किस रूप में observe किया जा रहा है इस कार्य के लिये निरीक्षणकर्ता किसी एक ऐसी उचित स्थान का चुनाव करके अपना निरीक्षणकार्य करता है जिससे कि जिनका निरीक्षण किया जा रहा है व उसे नहीं देख सके। इसके अंतर्गत आधुनिक उपकरणों जैसे:- गुप्त कैमरा, Video Recording, Audio Recording आदि के संबंध में इस प्रकार के गुप्त observation

6/3/21

February 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28

2022/6/25 21:47

February

2017 से किया जाता है। दूर बैठकर। WED 15
देखने के लिये observer telescope
आदि का भी प्रयोग कर सकते हैं।

(v) Interview Method :→ साक्षात्कार एक अध्ययन विधि है एक अध्ययन यंत्र भी कहा जाता है। जिसके सहायता से महत्वपूर्ण आँकड़ा एकत्र किया जाता है अंग्रेजी शब्द Interview दो शब्दों से मिलकर बना है। inter तथा View। inter का अर्थ है - अंदर, view का अर्थ है - देखना / झाँकना अतः अंदर देखना ही साक्षात्कार है जिसके द्वारा बहुत अध्ययन, अनुभव, विचारों का ज्ञान प्राप्त होता है जो दिखाई नही देता।

THU 16

→ साक्षात्कार / Interview की परिभाषा :→

- Good And Hatt :→ Good And Hatt के अनुसार साक्षात्कार सामाजीक अंतःक्रिया की एक प्रक्रिया है।

- P. V. young :→ इनके अनुसार साक्षात्कार एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के आंतरीक जीवन में थोड़ा बहुत प्रवेश करता है।

इन परिभाषाओं के आधार पर साक्षात्कार वह विधि है जो व्यक्ति के स्थिती (Situation) से संबंध है इसमें आपने सामने मौखिक

March						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

February 2017

17 FRI 048-317

विचार करते है। इसमें Researcher व्यक्ति के मन में परिवेश करके अपनी अनुसंधान समस्या के संबंध में सूचनाएँ प्राप्त करता है।

* Interview का उद्देश्य / लाभ :→

• प्राथमिक सामाग्री का संकलन :→

Interview का एक प्रमुख उद्देश्य किसी अध्ययन से संबंधित प्राथमिक सामाग्री का संकलन करना होता है। इस प्रविधि के द्वारा कुछ व्यक्तियों से प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित करके शोध के विभिन्न पक्षों से संबंधित आंतरिक और व्यक्तिगत सूचनाएँ एकत्रित की

18 SAT 049-316

जा सके। जिनमें से अनेक तथ्यों का संबंध व्यक्ति के निजी जीवन अथवा गोपनीय पक्षों से होता है उसके बारे में केवल साक्षात्कार द्वारा ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

7/3/21 (ii) व्यक्तिगत सूचनाएँ:→

19 SUN

साक्षात्कार में सूचना दाता और शोधकर्ता के बीच आमने-सामने के प्रत्यक्ष और व्यक्तिगत संबंध स्थापित किये जाते है। जिससे एक-दूसरे के विचारों और भावनाओं में प्रवेश करने का प्रयास किया जाता है। इस प्रकार इससे सरलता और सुगमता के साथ व्यक्तिगत

February						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

February

2017 सूचनाएँ संकलित की जा सकती है। MON 20

051-314

(iii) नई परिकल्पनाओं का निर्माण :→

साक्षात्कार के द्वारा सामाजिक जीवन सामाजिक घटनाओं और सामाजिक समस्याओं के बारे में अनेक प्रकार की जानकारी प्राप्त होती है। जिनके आधार पर नई परिकल्पनाओं का निर्माण किया जा सकता है।

18/3/21

(iv) घटनाओं का अवलोकन :→

साक्षात्कार विधि में शोधकर्ता (Researcher) संपर्क स्थापित करने के लिए क्षेत्र में जाता है तथा उत्तरदाता से अनेक प्रश्न करने के साथ ही उसके वातावरण, जीवन स्तर क्रियाकलापों, सदस्यों के आपसी संबंधों (पारस्परिक संबंध) तथा अभिरुचियों का स्वयं ही अवलोकन करने का अवसर प्राप्त कर लेता है जिसके अंतर्गत विषय से संबंधित ज्ञान प्राप्त करने के साथ ही शोधकर्ता घटनाओं का अवलोकन भी कर लेता है।

TUE 21

052-313

(v) समस्याओं की विभिन्न पहलुओं की जानकारी :→

साक्षात्कार विधि में शोधकर्ता, विषय से संबंधित अनेक व्यक्तियों से संपर्क स्थापित करता है और विषय

March						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:47

22 WED 053-312

पर शुरू कर चर्चा व परिचर्चा करता है, इससे उस सामाजिक समस्या के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त होती है।

(vi) तथ्यों का सत्यापन :→

साक्षात्कार का उद्देश्य केवल प्राथमिक आँकड़ों या नए तथ्यों का ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है बल्कि अतीत में प्राप्त किये गए या दिये गये निष्कर्षों या विचारों का सत्यापन (verification) करना ही है इसके लिये Interview द्वारा प्राप्त सूचनाओं से निष्कर्षों का सत्यापन करने का प्रयास किया जाता है।

23 THU 054-311

Types of Interview :→

(a) व्यक्तिगत साक्षात्कार (Indivisual interview)
(b) सामूहिक साक्षात्कार (Group interview)
(c) औपचारिक साक्षात्कार (formal interview)
(d) अनौपचारिक साक्षात्कार (informal interview)
(e) पुनरावृत्ति साक्षात्कार (Repeated interview)
(f) केन्द्रीत साक्षात्कार (Centered interview)
(g) अनिर्देशित साक्षात्कार (following interview)

20/3/21

(a) व्यक्तिगत साक्षात्कार (Indivisual interview)

जब Researcher का एक ही व्यक्ति से Interview होता है तो इसे व्यक्तिगत साक्षात्कार कहा जाता है।

February 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

2022/6/25 21:47

इस साक्षात्कार में शोधकर्ता उत्तरदाता से प्रश्न पूछता है और वह इन प्रश्नों का उत्तर देता है।

(b) सामुहिक साक्षात्कार (Group interview) :→

यह वह प्रविधी है जिसमें शोधकर्ता एक समय में एक से अधिक व्यक्तियों के साथ संपर्क या साक्षात्कार कर सकता है। इस प्रविधि में चूकी उत्तरदाता समूह में होता है इसलिए इसे सामुहिक कर सकता है। इसमें शोधकर्ता प्रत्येक उत्तरदाता से व्यक्तिगत रूप में उत्तर प्राप्त नहीं कर सकता है। एक समूह का एक ही साथ अध्ययन कर सकता है। ये वर्तमान समय में इस प्रकार के साक्षात्कार (Interview) अत्यधिक लोकप्रिय होते जा रहे हैं।

(c) औपचारिक साक्षात्कार (formal interview) :→ नियंत्रित साक्षात्कार

औपचारिकता के आधार पर, साक्षात्कार को औपचारिक साक्षात्कार कहते हैं। (इसे नियंत्रित साक्षात्कार भी कहते हैं।) इस interview का प्रमुख उद्देश्य अध्ययन में एकरूपता बनाये रखना होता है। इस प्रकार के साक्षात्कार में सभी उत्तरदाताओं से एक ही प्रकार के प्रश्न किये जाते हैं।

(d) अनौपचारिक साक्षात्कार / अनियंत्रित / असंरक्षित :→ structure/Unstructure/informal Interview :→

February 2017

27 MON 058-307

इसे interview को अनियंत्रित साक्षात्कार भी कहते हैं। इसमें बिना किसी अनुसूचि की सहायता से शोधकर्ता कुछ मुख्य प्रश्नों को पूछता है एवं उत्तरदाता स्वतंत्रता पूर्वक उन सवालों को जवाब देता है Researcher अपनी इच्छा के अनुसार प्रश्नों को बढ़ाने - घटाने अथवा आवश्यकता अनुसार परिवर्तन करने के लिए स्वतंत्र रहता है इससे यह लाभ होता है कि शोधकर्ता को ऐसे महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट हो जाते हैं जिनका पहले से कोई कल्पना भी नहीं की गई होती है।

(e) पुनरावृत्ति साक्षात्कार (Repeated interview):-

जैसे कि नाम से स्पष्ट है कि यह साक्षात्कार बार - बार किया जाता

28 TUE 059-306

है एक ही उत्तरदाता से बार - बार साक्षात्कार करने सूचनाएँ इकट्ठा करना पुनरावृत्ति साक्षात्कार कहलाता है। जैसे - सामाजिक परिवर्तन से संबंधित घटनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए बार - बार interview किया जाता है एवं निष्कर्ष निकाला जाता है।

24/3/21

(f) केन्द्रीत साक्षात्कार (centered interview)
निर्देशित साक्षात्कार

केन्द्रीत साक्षात्कार उसे कहते हैं जिसके अंतर्गत में शोधकर्ता को किसी पूर्व निर्धारित विषय पर केंद्रीत रहकर ही विभिन्न प्रकार के प्रश्न करने होते हैं। इसमें

February 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28				

2022/6/25 21:47

2017 March

किसी घटना विशेष अथवा किसी विशेष पक्ष पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। WED 01 060-305

→ इस (केंद्रित) साक्षात्कार की कुछ विशेषताएँ हैं-

(i) साक्षात्कार के लिए उस विषय का चुनाव किया जाता है जिस पर पहले से ही कुछ कार्य हो चुका है।

(ii) इसका प्रयोग इन लोगों पर होता है, जो एक विशेष निर्धारित विषय से संबंध रखते हैं।

(iii) इस प्रकार का साक्षात्कार विषयगत अनुभवों पर आधारित होता है।

(4) अनिर्देशित साक्षात्कार (following interview) :→ I THU 02 061-304

इस तरह के साक्षात्कार में शोधकर्ता उत्तरदाता के समक्ष कोई विशिष्ट समस्या अथवा प्रश्न रखता है इसमें शोधकर्ता को कोई दिये गए विषय पर बोलने के लिए प्रोत्साहित करना होता है। उत्तरदाता दिये गए विषय पर जिन विचारों को व्यक्त करता है शोधकर्ता इन्हीं में से उपयोगी और उपयुक्त सूचनाओं और तथ्यों को संकलित करता है।

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

→ विशेषताएँ :→

(i) यह अनियंत्रित साक्षात्कार से मिलता-

2022/6/25 21:47

March 2017

03 FRI 062-303

जुलता है।

(ii) इसमें उत्तरदाता पर किसी प्रकार का नियंत्रण नहीं रहता है और वह पूरी तरह से स्वतंत्र रहता है।

(iii) इसमें उन समस्याओं का अध्ययन किया जाता है जो नई और उलझी हुई होती है।

→ Interview की विशेषताएँ :→

(i) अध्ययन विषय से संबंधित व्यक्ति के अपने विचार भावनाएँ एवं धारणाएं होती है इनका अध्ययन केवल interview के आधार पर ही किया जा सकता है।

04 SAT 063-302

(ii) घटनाओं का अध्ययन :→ सामाजिक परिवर्तन के कारण सभी सामाजिक घटनाओं जो कि समाज की पूर्ण रचनाओं में महत्वपूर्ण होती है उन घटनाओं का अध्ययन साक्षात्कार विधि या प्रविधि से ही कर सकती है।

31/3/21

(iii) सभी स्तरों के व्यक्तियों का अध्ययन :

05 SUN

साक्षात्कार में शिक्षित, अशिक्षित, ग्रामीण नागरीक सभी स्तरों के लोगों से विचार विमर्श किया जा सकता है एवं उनसे सूचनाएं सग्रहित की जा सकती है यह भी इस प्रणाली का।

March						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

विशेष गुण है कि यह अशिक्षित व्यक्तियों पर भी लागू की जा सकती है।

March
MON 06
065-300

(v) विश्वसनीयता (Reliability) :->

इस पद्धति के माध्यम से विश्वसनीय आँकड़े अथवा सूचनाएँ अर्जित होने की संभावना बन जाती है। इसका कारण यह है कि शोधकर्ता साक्षात्कार की प्रक्रिया के दौरान गलत प्रतीत होने वाले उत्तरों से अपने प्रश्न का स्पष्टीकरण करके न केवल ठीक करने का प्रयास करता है बल्कि उत्तरदाता पर भी इस प्रकार नियंत्रण रखता है जिससे वह अधिक-से-अधिक सही उत्तर दे सके।

TUE 07
066-299

(vi) विविध सूचनाओं की प्राप्ति :->

साक्षात्कार प्रविधि के द्वारा विभिन्न प्रकार के उत्तरदाताओं से अध्ययन विषय के विभिन्न क्षेत्रों की सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती है। एक उत्तरदाता से भी विभिन्न प्रकार की सूचनाएँ प्राप्त की जा सकती है।

—— x ——

2017
... Fr Sa
1
7 8
14 15
21 22
28 29

2022/6/25 21:48

1/4/21

March 2017

08 WED 067-298

← Questionnaire →
प्रश्नावली

Q प्रश्नावली के अर्थ प्रकार एवं विशेषताएं बताए ?

Ans:→ प्रश्नावली प्रश्नों की वह सुचि है जो समस्याओं के अध्ययन के संबंध में बनायी जाती है जिसकी सहायता से समस्याओं का हल किया जाता है। प्रश्नावली में प्रश्नों को उत्तरदाता खुद से भरते हैं इसे भरने के लिए कभी-कभी डाक द्वारा या मेल के द्वारा उत्तरदाता के पास भेजा जाता है या फिर शोधकर्ता उत्तरदाता के पास स्वंय लेकर के जाता है।

09 THU 068-297

→ प्रश्नावली की परिभाषाएँ :→

Good And Hatt के अनुसार :→ प्रश्नावली का अर्थ प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करने का है जिसमें एक प्रपत्र का उपयोग किया जाता है जिसे उत्तरदाता स्वंय भरता है।

March						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:48

2017 March

1 FRI 10

⇒ प्रश्नावली के प्रकार (Types of Questionaire) :→

(i) संरचित प्रश्नावली (Structure Questionaire):→

→ इस प्रकार की प्रश्नावली में समस्या के अध्ययन के पूर्व ही इसका निर्माण कर लिया जाता है इसके प्रश्न खुले और बंद दोनों प्रकार के हो सकते है। इस प्रकार की प्रश्नावली से जन स्वास्थ्य, जन कल्याण, परिवार, सामाजिक, आर्थिक अध्ययन करने तथा लोगों का सुझाव जानने के लिए किया जाता है।

Ex→ जनगणना

18/9/21

(ii) असंरचित प्रश्नावली (Unstructure Questionaire) :→ SAT 11

070-095

→ इस प्रश्नावली में प्रश्न का निर्माण पहले से नहीं किया जाता है इस प्रकार की प्रश्नावली का उपयोग interview method में किया जाता है।

(iii) बंद प्रश्नावली (close Questionaire) :→

इस प्रश्नावली में हर प्रश्न के साथ सही जवाब भी दिये जाते है, तथा उत्तरदाता को इन्हीं उत्तरों में से सही उत्तर देना होता है। इसका उत्तर हां और नहीं में भी हो सकता है। इसके प्रश्नावली में ही उत्तर छुपे होते है इसमें से कोई एक सही होता है।

SUN 12

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

option

2022/6/25 21:48

(iv) खुली प्रश्नावली (Open Questionaire):-

→ इसमें ऐसे प्रश्न होते है जिसमें उत्तरदाता पर कोई प्रतिबंध नही होता वह स्वतंत्र होता है। Ex→ भारत में बढ़ते भ्रष्टाचार के कारण क्या है? भारत मे गरीबी के क्या कारण है?

(v) मिश्रित प्रश्नावली (Mix Questionaire) :-

इस प्रश्नावली में कई प्रकार के प्रश्न मिले जुड़े होते है इसमें बंद व खुले दोनों प्रकार के प्रश्न हो सकते है/ होते है

* प्रश्नावली की विशेषताएँ/ लाभ :-

(i) ये कम खर्चीला होता है।

अन्य विधियों की अपेक्षा प्रश्नावली कम खर्चीली है क्योंकि प्रश्नावली अध्ययन में कम समय लगता है।

(ii) कम समय और कम मेहनत लगता है

(iii) विस्तृत अध्ययन (wide study).

इसमें विस्तार से अध्ययन कर सकते है जैसे :- कोई बड़े समूह, छोटे या बड़े जनसंख्या का अध्ययन कर सकते है।

(iv) अध्ययन की सुविधा

प्रश्नावली अन्य अध्ययन

March 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:48

की सुविधा होता है।

(v) Mail या डॉक द्वारा भेजने की सुविधा

(vi) समस्याओं का अध्ययन प्रश्नावली के सहायता से करते जिसमें तथ्य और मतों अनेक प्रकार की समस्याओं का अध्ययन भी होता है।

20/4/21

* Research Report :→
अनुसंधान प्रतिवेदन

Q.) प्रश्न शोध्य रिपोर्ट को समझाए एवं लिखने की शैली, नियम और लाभ बताए :-

Ans:→

Introduction:→

अनुसंधान की रिपोर्ट :→ जब कोई Researcher किसी समस्या के संबंध में अध्ययन करता है वह पूरी होने के बाद वह अपने अध्ययन का Report तैयार करता है इसके तैयार करने की विधि वैज्ञानिक होती है जो की वैज्ञानिक ढंग से तैयार की जाती है।

Researcher का Research Report कुछ नियम और विधि के ही आधार पर करना होता है। वह इसलिए कि Researcher जो Research कार्य करता है उससे जो निष्कर्ष प्राप्त होता है वह Research Report के द्वारा ही दूसरे Researcher को या दूसरे लोगों को जानकारी या ज्ञान प्राप्त होता है।

2022/6/25 21:48

17 FRI 076-289

अतः अनुसंधानकर्ता का यह कर्तव्य है कि वह Research Report इस प्रकार प्रस्तुत करे कि दूसरे लोगों या Researcher को अधिक से अधिक लाभ मिले।

Research Report का उद्देश्य :→

(1) Researcher Research Report इसलिए तैयार करता है कि वह Research Report प्रस्तुत करके वह शोध उपलब्धि जैसे M.Phil, M.Ed अथवा P.H.D प्राप्त करना चाहता है।

(2) वह अनुसंधान इसलिए प्रस्तुत करना चाहता है कि, वह M.Phil, M.Ed अथवा

18 SAT 077-288

P.H.D में बड़ा Research प्रस्तुत करना चाहता है या बड़ा Researcher बनना चाहता है।

(3) अनुसंधान कर्ता का Research Report प्रस्तुत करने का मुख्य उद्देश्य यह भी होता है वह अपने Research Report को किसी पत्र या पत्रिका में प्रकाशित करना चाहता है यह अनुसंधान पत्र पत्रिकायें प्रत्येक विषय पर सभी देशों में छपती है अलग-अलग शोध के अलग-अलग नियम और उद्देश्य

19 SUN

होते है। अनुसंधान प्राप्त करने के उद्देश्य जो भी हो अनुसंधान प्रतिवेदन लिखने सामान्य पद और नियम लगभग एक से होते है।

March						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:49

25/4/21.

* Persentation of Research Report (अनुसंधान प्रतिवेदन को प्रस्तुतीकरण) :→

(1) प्रारंभिक भाग :→ शोध प्रबंध या लघु शोध प्रबंध का शीर्षक बड़े अक्षरों में छपा होता है यह देखा गया है कि जब शीर्षक एक से अधिक लाइनों में होता है तब शीर्षक की दूसरी लाइन पहली लाइन से छोटी होती है।

शीर्षक अनुसंधान कर्ता को ऐसा बनाना चाहिए जिसमें अनुसंधान में क्या है शीर्षक पढ़ने वाले को Researcher की जानकारी हो जाए।

(2) प्राक्कथन (Preface and forward) :→

इसमें Researcher अनुसंधान, समस्या का बहुत छोटे से में परिचय देता है, उसने Research में क्या किया है उनके Research का Result किन लोगों के लिए महत्वपूर्ण है उन विद्वानों और सहयोग के नाम लिखता है जिसमें Research को पूरा करने में सहयोग प्राप्त हुआ है।

(3) विषय-सारणी (content) :→

विषय सूची लगभग वैसी ही बनायी जाती है जैसे पुस्तकों आदि में छपी होती है इसमें अध्ययन की संख्या, अध्ययन का नाम और पृष्ठ संख्या होती है।

2022/6/25 21:49

March 2017

22 WED 081-284

(4) ग्राफ एवं चित्रतालिका :→

अनुसंधान प्रतिवेदन में इस तालिका अनुसंधान प्रस्तुतिकरण में जो आकृतियाँ (Figure) बनायी गयी है उनकी सूची बनाकर वह वहाँ पर लगता है आकृतियों में Graph, Maps, sketches, Diagram आदी आते है, जिनकी सूची बनाकर वह अनुसंधान प्रबंध में लगता है।

शोध प्रबंध का मुख्य भाग :→

(1) अनुसंधान की समस्या :→ (Topic or problem of Research) :→

अनुसंधान समस्या मुख्य पृष्ठ पर ही लिखी हुई होती है

23 THU 082-283

अनुसंधान की समस्या सरल स्पष्ट ऐसे शब्दों में इस प्रकार लिखी हुई होनी चाहिए जिससे की दुसरे पढ़ने वाले Researcher को यह पता चल जाए कि अनुसंधान में किन चारों का अध्ययन किया गया है।

(क) अनुसंधान की प्रस्तावना या भूमिका :-

शोध प्रबंध का यह पहला अध्ययन होता है जिसमें समस्या का परिचय किस आधार पर प्रस्तुत किया जाता है।

March 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:49

2017 March FRI 24 083-282

(ख) साहित्य समीक्षा (Review of Literature) :→

इसके अंदर अनुसंधान कब और किस वर्ष किया गया किस विधि का प्रयोग किया गया बताया गया है।

(ग) इसके बाद समस्या से संबंध जोड़ते हुए कुछ उद्देश्य के आधार पर Research Hypothesis बनाकर लिखा जाता है।

(घ) अंतिम भाग में अनुसंधान की सीमाएँ बताता है।

27/5/21

(3) Methodlogy (क्रियाविधि) :→

SAT 25 084-281

इस प्रक्रिया में Researcher यह लिखता है कि उसने यह समस्या का अध्ययन कैसे किया, क्या विधि अपनायी। उसने अपने Research में समस्या के अध्ययन में कौन-कौन सी अध्ययन विधियाँ अपनाई है।

(4) परिणाम और उनकी विवेचना (Result and interpretation) :–

इसके अंतर्गत परिणाम, तालिका से परिकल्पनाओं की जाँच के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुए, लिखकर अनुसंधान के रूप में प्रकाशित करना होता है।

SUN 26

April						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

2022/6/25 21:49

March 2017

27 MON 086-279

⑤ व्याख्या और सामान्यकरण :→

परिकल्पनाओं से जो भी परिणाम प्राप्त हुए उनकी व्याख्या करता है। परिणामों की तुलना करता है तुलना में समानता देखता है तो वह उस समानता का कारण बताकर व्याख्या करता है। सामान्यकरण में वह बताता है कि उसके परिणाम उस प्रतिदर्श के लिए सही है जो प्रतिदर्श चुनकर अध्ययन किया है।

⑥ सारांश और निष्कर्ष :→

28 TUE 087-278

शोध प्रबंध लिखने वाला सारांश के पहले अध्ययन से लेकर अंतिम अध्ययन तक सारांश लिखता है। सारांश लिख लेने के बाद वह निष्कर्ष को लिखता है। अनुसंधान में जो परिणाम प्राप्त हुए हैं उन परिणामों को संक्षेप में लिखना ही निष्कर्ष कहलाता है जिसमें दूसरे अनुसंधान कर्ता के लिए कुछ सुझाव भी लिखता है। Research Report का अंतिम भाग Bibliography है।

Researcher उन ग्रन्थों की सूची बनाकर लिखता है जिन किताबों से उसे अपने Research को करने में सहायता मिली है।

March 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4
5 6 7 8 9 10 11
12 13 14 15 16 17 18
19 20 21 22 23 24 25
26 27 28 29 30 31

2022/6/25 21:49

2017 2|4|4 March

WED 29

089-277

THU 30

089-276

* Research Report के लाभ :→

(1) शोध उपाधि का प्राप्ति :→ कोई Researcher, Research Report इसलिए तैयार करता है कि उसे कोई उपाधि या शोध उपाधि प्राप्त होगी।

(2) Research Report का प्रशासन :→ जब कोई Researcher अपने Research कार्य को किसी शोध पत्रिका में प्रकाशित करा सकते है जब वह Research Report तैयार करेगा।

(3) Research Report प्रकाशन से Researcher में जिज्ञासा :→ जब किसी Researcher का अनुसंधान कार्य पत्रिका में प्रकाशन होता है तब Researcher को अपने छपे Research को देखकर प्रसन्नता होती है। उसे एक जिज्ञासा उत्पन्न होती है जो उसे सतुष्ट करता है और वह उससे भी बेहतर Research के लिए उत्साहित और प्रेरित करती है।

(4) Research Report के विषय वस्तु :→

जब कोई अनुसंधान पत्र प्रकाशित होता है और उसमे प्रकाशित परिणाम, नियम सिद्धांत आदि विश्वसनीय प्रामाणिक और वैध होते है। इस प्रकार से विषय वस्तु का विस्तार तो होता है इससे वैज्ञानिक ज्ञान का विकास होता है।

April						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

2022/6/25 21:49

Mar/Apr 2017

31 FRI 090-275

Q. केस अध्ययन विधि की परिभाषा एवं विशेषताएँ बताएँ।
(Meaning and Nature of Case Study Method) :→

Ans → समाजशास्त्र तथा शिक्षा में केस अध्ययन विधि का प्रयोग आरंभ से ही किया जा रहा है Scientific Research में इसकी विशेष अहमियत मानी गयी है।

केस अध्ययन विधि एक ऐसी विधि है जिसमें किसी सामाजिक जीवन की घटनाओं का अध्ययन किया जाता। किसी एक व्यक्ति, एक परिवार एक संस्था, एक समुदाय घटना, नीति, संगठन आदि को लिया जा सकता है।

01 SAT 091-274

पी० वी० यंग ने केस अध्ययन विधि को इस प्रमाणित किया है।

" केस अध्ययन एक ऐसी विधि है जिसके द्वारा सामाजिक ईकाई के जीवन के अन्वेषण तथा विश्लेषण किया जा सकता है।"

4/4/21

02 SUN

यह एक अनुभव द्वारा जाँच किया जाता है और एक वास्तविक जिन्दगी में होने वाली घटनाओं का अन्वेषण (खोज) करता है।

March 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

2022/6/25 21:49

2017 April

I MON 03
093-272

इन परिभाषाओं का विश्लेषण करने पर हमें केस अध्ययन विधि के स्वरूप के बारे में कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों का पता चलता है। जिसका वर्णन निम्नांकित है -

(1) केस अध्ययन विधि में किसी सामाजिक इकाई के विकासात्मक घटनाओं का अध्ययन किया जाता है।

(2) सामाजिक इकाई के रूप में एक व्यक्ति विशेष को भी अध्ययन किया जा सकता है।

(3) केस अध्ययन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें सामाजिक इकाई को संपूर्ण रूप से अध्ययन करने की कोशिश की जाती है।

I TUE 04
094-271

(4) केस अध्ययन विधि में अध्ययन के लिए चुने गए सामाजिक इकाई की क्या क्यों दोनों पक्षों का अध्ययन किया जाता है वह उन कारकों का भी पता लगाता है इस तरह के जटिल समस्या की उत्पत्ति हुई होती है। दूसरे शब्दों में वह सामाजिक इकाई का वर्णन तथा व्याख्या दोनों ही करता है।

May 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2022/6/25 21:49

April 11/5/21 2017

05 WED 095-270

Action Research
(क्रियात्मक अनुसंधान)

→ इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षण संस्थानों की व्यवहारिक समस्याओं का हल खोजना है जो भी शिक्षण संस्थाएँ है उसमें समस्याएं होती है उनका हल खोजने के लिए जो कार्य किये जाते है उन्हें ही Action Research कहते है।

शिक्षा के क्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान का विचार सबसे पहले अमेरिका के कुछ शिक्षाशास्त्रीयों द्वारा आरंभ किया गया था इसमें प्रमुख रूप से कौलियर, लुइन, हेरिकन और स्टोफेनकोरे शामिल है।

06 THU 096-269

स्टोफेनकोरे (1962) के शब्दों में क्रियात्मक अनुसंधान एक ऐसा अध्ययन है जिसे कोई व्यक्ति अपने ही काम को अधिक अच्छे ढंग से करने के लिए करता है। एक शिक्षक का शिक्षण कार्य को अधिक बेहतर अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए किया गया अध्ययन क्रियात्मक अनुसंधान (Action Research) है। दूसरे शब्दों में हम ऐसे भी कह सकते है कि क्रियात्मक अनुसंधान एक ऐसी

April						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29
30						

2022/6/25 21:50

2017 April

प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी क्षेत्र के Researcher अपनी समस्याओं का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन करते है ताकि वो जो निर्णय लेते है तथा जो भी कार्य करते है उनको सही दिशा मिल सके उनमें सुधार किया जा सके तथा उनका मुल्यांकन किया जा सके।

FRI 07 097-268

क्रियात्मक अनुसंधान के उद्देश्य

- विद्यालय के कार्य प्रणाली में सुधार करके उसकी समस्याओं को दूर करना और विकास करना

SAT 08 098-267

- विद्यालय के शिक्षक, प्रधानाचार्य, प्रबंधक में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना ताकि वह अपने समस्याओं का हल कर सके।

- विद्यालय की कार्य प्रणाली को इस प्रकार प्रभावशाली बनाया जाए ताकि छात्रों के लिए स्वास्थ वातावरण मिल सके। स्वास्थ वातावरण का मतलब इतना अच्छा विद्यालय का वातावरण हो कि बच्चे ज्यादा से ज्यादा सीख सके। अधिगम को अपने व्यवहार में परिवर्तन कर सके। अधिगम के अनुकुल वातावरण बनाया जाए।

SUN 09

2017

Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
1	2	3	4	5	6
8	9	10	11	12	13
15	16	17	18	19	20
22	23	24	25	26	27
29	30	31			

2022/6/25 21:50

16/5/21

Q. विद्यालय में क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?

Ans:→ विद्यालय की समस्याओं के समाधान के लिए क्रियात्मक अनुसंधान की आवश्यकता पड़ती है।

– कक्षा शिक्षण में जो भी विधियाँ प्रयोग करते हैं उस विधियों में सुधार कर परिवर्तन करना।

– छात्रों में Study के प्रति Interest पैदा करना

– बच्चों को घर का काम यानी Homework, Interested देने का प्रयास करना ताकी गृहकार्य हमेशा खुद ही कर के लाये

– Homework उनके क्षमता के अनुसार दिया जाए तथा School में देर से आने वाले Students की समस्या के समाधान के लिए

– Exam में नकल करने की प्रवृति को समाप्त करने के लिए।

⇔ क्रियात्मक अनुसंधान की विशेषताएँ

– इस अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य विद्यालय की कार्य प्रणाली में संशोधन कर सुधार

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

लाना है।

- इसमें अनुसंधानकर्ता विद्यालय के शिक्षक, प्रधानाध्यापक, प्रबंधक और निरीक्षक होते है।

- क्रियात्मक अनुसंधान में शिक्षक, प्रधानाध्यापक, प्रबंधक और निरीक्षक वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते है।

- क्रियात्मक अनुसंधान के समस्या का पता लगाने वाले और समस्या का समाधान करने वाले दोनों स्वयं शिक्षक, प्रधानाध्यापक, प्रबंधक और निरीक्षक होते है।

⇒ क्रियात्मक अनुसंधान के सोपान/ (चरण):–

- (1) समस्या की पहचान करना
- (2) समस्या को परिभाषित करना
- (3) समस्या के कारणों का विश्लेषण करना।
- (4) समस्याओं को दूर करने के लिए क्रियात्मक घटनाओं का निर्माण
- (5) क्रियात्मक परिकल्पनाओं के परीक्षण का प्रारूप तैयार करना
- (6) क्रियात्मक अनुसंधान कार्य योजना संबंधी निष्कर्ष तैयार करना

25/5/21

May 2017						
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2022/6/25 21:50

April 2017

14 FRI 104-261

⇒ क्रियात्मक अनुसंधान की योजना का प्रारूप :→

① सबसे पहले हमें योजना का शीर्षक लिखना होता है कि किस नाम से हम अनुसंधान करेंगे।

② योजना का उद्देश्य क्या है?

③ योजना की प्रणाली (काम की प्रणाली क्या है?):

④ योजना का मूल्यांकन (हमें क्या हासिल होगा?)

⑤ अनुमानित व्यय (लगभग कितना खर्च आने वाला है?)

15 SAT 105-260

⑥ संस्था का नाम तथा छात्रों की संख्या, विभाग सहित उसमें दर्ज की जाती है।

⑦ विभिन्न विषयों के शिक्षकों की संख्या भी इसमें लिखी जाती है।

⑧ विद्यालय में योजना के लिए उपलब्ध सुविधाएं कौन-कौन सी है।

16 SUN

क्रियात्मक अनुसंधान योजना के लिए सुझाव

— Research प्रत्यक्ष रूप से

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

2022/6/25 21:50

समस्या से जुड़ा होना चाहिए।

- समस्या का स्वरूप वास्तविक होना चाहिए काल्पनिक न होना चाहिए।
- योजना का संबंध विद्यार्थियों के उपलब्धि, स्तर, प्रगति एवं गुणात्मक विकास से होना चाहिए।
- क्रियात्मक परिकल्पना में उन कारणों को ध्यान में रखना चाहिए जो की शिक्षक के नियंत्रण में हो।
- समस्या का अध्ययन वैज्ञानिक ढंग से होना चाहिए।

30/5/21 C5 :→ Peace Education / शांति शिक्षा :→

Q What do you mean by peace education? Discuss its needs.

Ans:→ शांति शिक्षा से तात्पर्य उन नियमों एवं निर्देशों से है, जो समाज में शांति व्यवस्था को बनाये रखने में मदद करती है।

महात्मा गाँधी के अनुसार :→

"अगर हम विश्व को वास्तविक शक्ति का पाठ पढ़ाना चाहते है तो

May 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28 29 30 31

2022/6/25 21:50

April 2017

19 WED 109-256

हमें शुरुआत बच्चों से करनी होगी।

मारिया मान्टेसरी के अनुसार :→

"सारी शिक्षा शांति के लिए ही है।"

शांति शिक्षा की अवधारणा हमारी शिक्षा व्यवस्था में बहुत पहले से ही रही है। शांति की सलाह प्रत्येक शिक्षित एवं योग्य व्यक्ति के द्वारा प्रदान की जाती थी। वर्तमान समय में अशांति की स्थिति ने इस शिक्षा को प्राथमिक स्तर से ही प्रारंभ करने के लिए विवश कर दिया गया है। बालक के मन मस्तिष्क पर शांति एवं अहिंसा की भावना उजागर कर दिया जाए तो पूरे विश्व में शांति होगी। अतः वर्तमान समय में शांति शिक्षा की निम्नलिखित कारणों से आवश्यकता है।

20 THU 110-255

① for the development of Social Values :→

शांति शिक्षा की आवश्यकता बालकों में सामाजिक गुणों के विकास के लिए आवश्यक है जिससे समाज में शांति स्थापित की जा सके।

समाज में विभिन्न तरह के लोग रहते हैं, विभिन्न

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

2022/6/25 21:51

व्यवसाय के लोग, विभिन्न शैक्षिक योग्यता के लोग, विभिन्न मत है जिससे समाज में कलह उत्पन्न होती है। शांति शिक्षा के माध्यम से बालकों में प्रेम, सहयोग एवं सामाजिक गुणों का विकास होता है।

② for the development of Social justice :→

वर्तमान समाज में अनेक वर्गों के विकास के अवसर एवं अधिकार प्राप्त नहीं होते। हमारे समाज में अनेकों तरह के असमानताएं देखने को मिलती है इससे बालकों के मन में ऊंच-नीच की भावना उत्पन्न होती है इस स्थिति में शांति शिक्षा मानव समुदाय के लिए अत्यंत आवश्यक है। इससे सामाजिक न्याय समाज में सभी को उपलब्ध होता है तथा सामाजिक अन्याय की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है। इस प्रकार सामाजिक न्याय को विकसित करने के लिए शांति शिक्षा आवश्यक है।

③ (वैश्विक विकास के लिए)
for global development :→
कोई भी राष्ट्र सभी दृष्टि से आत्मनिर्भर नहीं है उसे अपनी

May 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2022/6/25 21:51

April 2017

24 MON 114-251

किसी न किसी आवश्यकता के लिए दुसूरों पर निर्भर रहना ही पड़ता है। ऐसी दशा में राष्ट्र अपनी आवश्यकता के लिए दुसरों पर निर्भर रहना ही पड़ता है राष्ट्र अपनी आवश्यकता की पूर्ती हेतु दुसरे राष्ट्र पर दबाव बनाते हैं और हिंसा शांति का सहारा लेते है यह स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए उचित नही रहती है। ऐसी दशा में शांति की शिक्षा की आवश्यकता हो जाती है।

1/6/24

(4) For the development of Social Unity:-

25 TUE 115-250

सामाजिक एकता के विकास के लिए भी शांति शिक्षा की प्रमुख रूप से आवश्यकता है।

(5) चारित्रिक विकास के लिए (For the character development):-

सामान्य रूप से यह देखा जाता है कि जब व्यक्ति चरित्रहीन से ग्रसित होता है तो उसका प्रत्येक कार्य सामाजिक अशांति उत्पन्न करता है क्योंकि सामाजिक दृष्टि से इसे सही नही माना जाता है उसके दायित्व एवं व्यवहार के लिए शांति शिक्षा की ही आवश्यकता

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

2022/6/25 21:51

है। जैसे :→ आदर्शवाद, विवेकानंद आदि विचारकों था विचार व्यास के द्वारा बच्चों में नैतिक एवं चारित्रिक गुणों का विकास किया जाता है।

(6) For the development of idealism Values :→

आदर्शवादी मुल्यों का वर्तमान समय में लगभग समापन हो गया है। आज के समय में लोग बच्चों को ऐसी शिक्षा देना चाहते है जो उनको धनोपार्जन योग्य बनाए व्यक्ति कहते है पैसा ही सब कुछ है। इस स्थिति में समाज की स्थितियाँ पहले जैसी नहीं रही। भ्रष्टाचार का

बोल बाला हो गया इसीलिए शांति शिक्षा के माध्यम से खोए हुए आदर्शों को पुनः स्थापित किया जाना आवश्यक है।

(7) For the iternational peace :→

शांति शिक्षा के परिणाम व्यापक एवं संपूर्ण विश्व को प्रभावित करने वाले होते है। बालक संपूर्ण पृथ्वी पर निवास करने वाले मानवों को अपना परिवार समझता है। परिवार में कोई भी बालक विरोध नहीं करता। इस प्रकार यह भावना संपूर्ण विश्व के छात्रों में विकसित कर दी

2022/6/25 21:51

April 2017

28 FRI 118-247

आए तो संपूर्ण विश्व एक परिवार होगा। जब तक कोई व्यक्ति मानवता के गुणों से संपन्न नहीं होगा तब तक वह विश्व एवं अंतरराष्ट्रीय सद्भावना के बारे में विचार नहीं कर सकता।

(8) आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए
(For the Solution of Economical Problem) :→

बेरोजगारी के कारण भी समस्या उत्पन्न होती है। समाज में आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के साथ शोषण कर समाज में

29 SAT 119-246

अशांति फैलती है। इस स्थिति में संघर्ष उत्पन्न होती है। बढ़ती बेरोजगारी, असमानता और अच्छी नौकरियों की कमी इस दुनिया में अशांति पैदा करने में अहम भूमिका निभाती है। इसके लिए सरकार द्वारा प्रयास करके गरीब व्यक्तियों का जीवन स्तर उठाने की कोशिश की जाए। शिक्षक का दायित्व है कि बालकों में वह चारित्रिक एक नैतिक विकास करने के साथ-साथ उसके कर्तव्यों का भी बोध कराए। बालकों के साथ-साथ बालिकाओं के लिए भी समुचित शिक्षा की व्यवस्था

30 SUN

April 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
30						1
2	3	4	5	6	7	8
9	10	11	12	13	14	15
16	17	18	19	20	21	22
23	24	25	26	27	28	29

2022/6/25 21:52

May

2017 की जाए तथा दोनों को 21. MON 01
अधिकार एवं उसके कर्तव्यों 121-244
के प्रति जागरूक किया जाए।

8/6/21
(9) धार्मिक समस्याओं के समाधान के लिए
(For the Solution of Religious Problem) :→
धार्मिक समस्याओं को बिना हल किये हम एक सभ्य समाज की कल्पना नहीं कर सकते हैं शांति शिक्षा को बढ़ावा देकर इसका समाधान किया जा सकता है। व्यक्ति को धर्म का वास्तविक ज्ञान कराने का प्रयास किया जाता है। क्योंकि प्रत्येक धर्म की मानवता TUE 02
एवं विश्व बन्धुत्व की भावना 122-243
को बढ़ावा दिया गया है। धर्म के आड़ में होने वाले विभिन्न अपराधिक एवं अनैतिक कार्यों को रोकना धार्मिक समस्याओं का समाधान है।

6/6/21
COURSE-5
Unit-3

Generalization And Conclusion
(सामान्यीकरण और निष्कर्ष) :→

शोध का चरम लक्ष्य समस्या का अंतिम हल प्रदान करना या शोध के तहत उन प्रश्नों का उत्तर

June						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

2022/6/25 21:52

May 2017

03 WED 123-242

ढूँढ निकालना है।
हम अपने सामान्य जीवन की परिस्थितियों में भी अपने अनुभवों एवं प्रेक्षणों के आधार पर सामान्यीकरण किया करते हैं।
सीमित अर्थ में इस प्रक्रिया के तहत एक चुने हुए लघु समूह पर किये गए प्रेक्षणों को बड़े समूह या समग्र (All overall) पर लागू किया जाता है। सामान्यीकरण में वह बताया जाता है कि उसके परिणाम, उस प्रतिदर्श के लिए सही है जो प्रतिदर्श चुन कर अध्ययन किया है। इसमें आगमनात्मक चिंतन की क्रिया निहित होती है जो बुनियादी तौर पर एक ऐसी तार्किक

04 THU 124-241

प्रक्रिया है जिसमें विचार ज्ञात से अज्ञात (Known to Unknown) की ओर जाते हैं।

Q. क्या सामान्यीकरण एवं निष्कर्ष एक ही जैसे पद सकते हैं?

Ans :→ व्यवहारिक दृष्टि से सामान्यीकरण एवं निष्कर्ष जैसे पदों इसमें विशेष रूप से भेद नहीं किया जाता किन्तु शोधों के संदर्भ में शोधकर्ता को इनके मध्य तार्किक आधार पर अंतर करने की जरूरत पड़ती है। सामान्यीकरण की प्रक्रिया आधार-सामग्रियों के विश्लेषण।

May						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2022/6/25 21:52

एवं निर्वचन से अत्यंत घनिष्ठ रूप में सम्बद्ध है। इसके तहत ऐसे कथनों को जगह मिलता है जो शोध के समग्र से संबंधित होते हैं। अनुसंधानों में प्रतिदर्श के माध्यम से प्राप्त प्रेक्षणों को उस समग्र पर लागू करने की आम चेष्टा होती है। इसे ही सामान्यीकरण कहा जाता है।

निष्कर्ष को शोध का परिणाम मान लिया जाता है। यह एक प्रकार के अनुमान के रूप में निरूपित ऐसा अभिकथन है जिसे प्रत्यक्ष सामान्यीकृत अभिकथनों से निगमित माना जा सकता है।

इस प्रकार सामान्यीकरण का आधार आगमन है, जबकि निष्कर्ष का आधार निगमन है। सामान्यीकरण को आधार सामग्री द्वारा सीधे निरूपित किया जाता है। इसके विपरीत, निष्कर्ष निरूपण या तय किये प्राप्त परिणामों के द्वारा परोक्ष रूप से निश्चित किया जाता है। इस प्रकार दोनों में विभेद करते हुए इस बात पर बल दिया जा सकता है कि किसी अध्ययन के प्रत्यक्ष रूप में प्राप्त परिणामों को सामान्यीकरण तथा उन्हें परोक्ष रूप से निरूपित अभिकथन को निष्कर्ष की संज्ञा दी जाती है।

2022/6/25 21:52

May 13/6/22 2017

08 MON I 128-237

Peace As a dynamic Social Reality

शांति एक सामाजिक वास्तविकता है - जो सामाजिक परिवर्तन समस्या आवश्यकता एवं परिस्थिति के आधार पर गतिशील रहती है। इनमें हमें परिवर्तन या बदलाव होते रहते है। व्यक्तिगत सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिस्थितियों में बदलाव के कारण संतोष एवं शांति के अवधारणा में समय-समय पर परिवर्तन होते है। एक परिस्थिति में शांति की प्राप्ति के उपरांत दुसरी परिस्थिति शांति की आवश्यकता एवं उसके स्तर में गतिशिलन देखा जा सकता है।

09 TUE I 129-236

Dynamic Aspect of Social peace

1. सामाजिक शांति
2. आर्थिक शांति
3. धार्मिक शांति
4. राजनैतिक शांति
5. मानसिक शांति
6. राष्ट्रीय शांति

May 2017
Su Mo Tu We Th Fr Sa
1 2 3 4 5 6
7 8 9 10 11 12 13
14 15 16 17 18 19 20
21 22 23 24 25 26 27
28 29 30 31

2022/6/25 21:52

Q शांति की प्रासंगिकता : राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ -

Ans :-> राष्ट्रीय एकता किसी राष्ट्र के व्यक्तियों के बीच समान हित के आधार पर विकसित वह भावना है जो उन्हें क्षेत्र, जाति, लिंग, धर्म, संस्कृति व अन्य आधारों की भिन्नता होते हुए भी अपने राष्ट्र में बाधती है और 'मैं' के स्थान पर हम सब की भावना को विकसित करते है और यह शांति प्रिय विचार, शांति शिक्षा के द्वारा ही संभव है। इसके द्वारा मानव के विचार इतने व्यापक हो जाते है न्याय और अन्याय को समझते है। शांति शिक्षा के माध्यम से ऐसी अध्यात्मिक मनोवृति का विकास करना कि वे सबको प्यार कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीयता एक ऐसी भावना है जिसके अनुसार व्यक्ति केवल अपने राष्ट्र का ही सदस्य नही होता बल्कि वह संपूर्ण विश्व का नागरीक है। अंतराष्ट्रीय शांति के लिए शांति शिक्षा के परिणाम व्यापक एवं संपूर्ण विश्व को प्रभावित करने वाले होते है।

महात्मा गाँधी एवं वैदिक साहित्य की चर्चा संपूर्ण विश्व में आज भी होती है क्योंकि दोनो के साहित्य में शांति की भावना समाहित है तथा कलह एवं विवाद का कोई स्थान नही है। शांति शिक्षा के माध्यम से छात्रों

2022/6/25 21:52

May 2017

12 FRI 132-233

में 'वसुदेव कुटुम्बकम' की भावना का विकास किया जाता है। बालक सम्पूर्ण पृथ्वी पर निवास करने वाले मानवों को अपना परिवार समझता है। परिवार से कोई भी बालक विरोध नहीं करता। इस प्रकार यह भावना संपूर्ण विश्व के छात्रों में प्राथमिक स्तर से ही विकसित कर दी जाए तो संपूर्ण विश्व एक परिवार होगा तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पूर्ण शांति होगी।

13 SAT 133-232

जब शांति शिक्षा का प्रचार-प्रसार स्थानीय स्तर पर किया जायेगा तो इसका प्रभाव राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिलता है। भारतीय समाज में शांति एवं सहानुभूति के मूल्यों को स्वीकार किया जाता है। इस तथ्य को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वीकार किया जाता है। कि प्रत्येक समस्या का समाधान करते हुए प्रत्येक बालक को प्राथमिक स्तर पर शांति शिक्षा प्रदान करें तो संपूर्ण विश्व को एक आदर्श समाज के रूप में विकसित करने में सफलता प्राप्त हो सकती है।

14 SUN

अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना के विकास के लिए शिक्षा उपयोगी है इसलिए हमें शिक्षा में कुछ बदलाव करने चाहिए।

May 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2022/6/25 21:52

2017 May MON 15 135-230

शिक्षा इस प्रकार होनी चाहिए। कि उसका महत्वपूर्ण (main) उद्देश्य विश्व नागरीक का प्रचार करना, विश्व शांति का प्रचार करना -

(1) Promotion of world citizenship (विश्व नागरीक का प्रचार)
(2) promotion of world peace. (विश्व शांति का प्रचार).
(3) विनाशकारी भावना के बजाय हमें निर्माणकारी सोच को बढ़ावा देना होगा।
(4) छात्रों में विश्वास विकसित करना। विश्वास किसके लिए एक दुसरे के राष्ट्रों का आदर करने के लिए एक देश जब दुसरे देश पर विश्वास रखेगा तब ही जो अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना है वह अच्छी तरह विकसित हो पाएगी।

TUE 16 136-229

— Curriculum (पाठ्यक्रम) कैसा होना चाहिए।

Curriculum Browd होनी चाहिए।

यानी विस्तृत होनी चाहिए क्योंकि हम विश्वनागरीकता की बात कर रहे है तो Curriculum विस्तृत होनी चाहिए जैसे कुछ विषय होते है इतिहास, Geography, SST प्रानि, सामाजिक विज्ञान, इन सब चीजों में देश-विदेश के ज्ञान शामिल होने चाहिए

June						2017
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

2022/6/25 21:52

May 2017

17 WED 137-228

। ताकी छात्रों को अपने देश के ज्ञान के साथ - साथ दुसरों देश की भी ज्ञान प्राप्त हो।

15/5/19

C202 :→

(b) Communicating the Subject :→ (संचार या संप्रेषण) :

संचार अंग्रेजी भाषा के Communication शब्द का हिन्दी रूपांतरण है, जो लैटिन भाषा के Communis शब्द से बना है जिसका अर्थ होता है Common (सामान्य)। इस प्रकार से देखा जाए तो प्रेषक प्राप्तकर्ता के बीच के सामान्य समझ को हम संचार

18 THU 138-227

कह सकते है। यानि संचार वह है जिसमें प्रेषक प्राप्तकर्ता के साथ सामान्य समझ स्थापित करना चाहता है। उसी को संचार कहते है।

प्रकृति से ही मनुष्य सुचनाओं के खोज में रहता है। हम सुचना को तत्काल प्राप्त करना चाहते है। विज्ञान और तकनीकि के क्षेत्र में ज्ञान के परिणाम स्वरूप लगभग सभी विषयों तथा क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है।

May 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

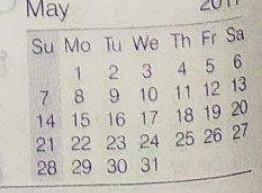

2022/6/25 21:53

2017 May

FRI 19 139-226

(=) संचार के प्रमुख परिभाषाएँ :-

↳ थियो हैमेन के अनुसार :- "संचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को सुचनाएँ एवं समझ Transfer करने की प्रक्रिया है।"

↳ लुईस ए-एलन :- "इनके अनुसार, संचार एक व्यक्ति के मस्तिष्क को दूसरे से जोड़ने वाला पुल है। इसके अंतर्गत कहने सुनने तथा समझने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया सम्मिलित है।"

इस प्रकार संचार एक व्यक्ति को संदेश देने एवं पारस्परिक समझ उत्पन्न करने की प्रक्रिया है। संप्रेषण में यह आवश्यक नहीं है कि यह लिखित, वाणी द्वारा सम्पादित हो बल्कि, मौन और हाव-भाव के द्वारा, इसे संपन्न किया जा सकता है।

SAT 20 140-225

SUN 21

June 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

2022/6/25 21:54

2017

May

22 MON

143-223

मामथ

संचार की प्रणाली क्या है?

Ans:→ संचार प्रणाली का निर्माण तीन चीजों से होता है।

(i) संचार की विषय सामग्री :→ इसमें इस बात पर विचार किया जाता है कि संचार किसका क्या जाना है। संदर्भ क्या है, आदेश, एक सूचना या विचार, तथ्य या संभावनाएँ शामिल है।

23 TUE

143-222

May 2017

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

2022/6/25 21:54